EDITORIAL BOARD

THE MARTINIERE STATEMENT

हिन्दी विभाग

संपादक की कलम से...

अप्रैल के महीने की शुरुआत के संग २०२२-२०२३ सत्र की समाप्ति होती है और आगमन होता है २०२३-२०२४ के सत्र का। सभी वर्ग के छात्र नए जोश और उमंग से व्याप्त होकर इस सुंदर माह में नई कक्षाओं में प्रवेश करते हैं। २९ मई को विद्यालय द्वारा पुरस्कार समारोह आयोजित कराया जाता है, जिसमें पिछले सत्र में पढ़ाई और अन्य पाठ्य सहगामी प्रतिस्पर्धाओं में प्रशंसनीय कार्य करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाता है।

अप्रैल का महीना उल्लास के साथ बीत रहा होता है, परंतु इसी बीच हमारे विद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष श्री नाइजेल हॉपली जी का हृदय रोग के कारण निधन हो जाता है। श्री हॉपली ने इस विद्यालय के लिए निरंतर कई वर्षों तक परिश्रम संग कार्य किया और 47 की उम्र में वह चल बसे। श्री हॉपली के मृत्यु के शोक में विद्यालय के वार्षिक सायंकालीन मेले एवं पुरस्कार दिवस के उत्सव को रद्द कर दिया जाता है। इसी के साथ विद्यालय १० अप्रैल को बहुत ही दुखद वातावरण के साथ गर्मी की छुट्टियों के लिए बंद हो जाता है। इन गर्मी की छुट्टियों में हमारे विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए भिन्न क्रीड़ा शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिसमें बहुत से छात्र भाग लेते हैं और बहुत कुछ नया सीखते हैं। इसी माह में हमारे विद्यालय के "नेवल" एवं "एयर" विभाग के लिए एनसीसी शिविरों का प्रबंधन किया जाता है, जिसमें नौसेना और वायुसेना विभाग के छात्रों को कई नए अनुभव प्राप्त होते हैं। इसी माह में विद्यालय के हिंदी वाद-विवाद दल द्वारा कक्षा ६ से लेकर कक्षा १० के छात्रों के लिए हिंदी वाद-विवाद की एक कार्यशाला का आयोजन किया जाता है, जिसमें इन छात्रों को वाद-विवाद के नियम, शैली आदि के बारे में बताया जाता है।

इस ही के साथ इस माह के लेख की समाप्ति होती है, और मैं आशा करता हूँ कि इस कठिन घड़ी में भगवान् श्री हॉपली के परिवार पर अपनी कृपा बनाये रखें।"

-Parth Mittal 12-B

विद्यालय के मंदिर की उद्घाटन जयंती

हमारे विद्यालय में वर्ष २०१५ में भगवान् भोलेनाथ के मंदिर की स्थापना हुई थी। तभी से परम्परागत रूप से २२ अप्रैल को प्रति वर्ष मंदिर में अनुष्ठान व् कार्यक्रम होते हैं। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विद्यालय के मंदिर परिसर में श्रीरामचरितमानस के सुन्दरकाण्ड का पाठ संपन्न किया गया। सूर्योदय के साथ ही गर्भगृह में शंखनाद के साथ ही मंत्रोच्चारण की ध्वनि विद्यालय के 'मेमोरियल पार्क' से आने लगी, जहाँ पर मंदिर स्थित है।

गोस्वामी तुलसीदास कृत श्री राम चरित मानस तथा अन्य भाषाओं के रामायण में भी सुन्दरकाण्ड उपस्थित है। सुन्दरकाण्ड में हनुमान जी द्वारा किये गये महान कार्यों का वर्णन है। रामायण पाठ में सुन्दरकाण्ड के पाठ का विशेष महत्व माना जाता है। सुंदरकाण्ड में हनुमान का लंका प्रस्थान, लंका दहन से लंका से वापसी तक के घटनाक्रम आते हैं। इस सोपान के मुख्य घटनाक्रम है – हनुमान जी का लंका की ओर प्रस्थान, विभीषण से भेंट, सीता से भेंट करके उन्हें श्री राम की मुद्रिका देना, अक्षय कुमार का वध, लंका दहन और लंका से वापसी। इसमें कुल दोहों की संख्या 60 है। विधिवत पूजा पाठ में विद्यालय के प्रमुख अध्यापकों ने भी अपना पूर्ण योगदान दिया। श्री ऐ के श्रीवास्तव, श्री नीरज श्रीवास्तव, श्री अतुल श्रीवास्तव, श्री डी बी त्रिपाठी, श्री जीतेन्द्र मिश्र एवं डॉ अमित अवस्थी एवं अन्य शिक्षकगण पूरे समर्थ के साथ मौजूद रहे। अनुष्ठान के पश्च्यात छात्रावास के छात्रों तथा सभी के लिए भंडारे का आयोजन हुआ।

यह भंडारा भव्य रूप से आयोजित हुआ व विद्यालय के रसोईघर ने स्वादिष्ट पूड़ी-सब्जी का भोग तैयार किया। कक्षा ३ से कक्षा १२ तक के विद्यार्थियों को प्रसाद रुपी भोजन खूब भाया। सभी ने भोजन ग्रहण करने से पूर्व गर्भगृह में भगवान् के दर्शन किया एवं माथे पर आशीर्वाद रुपी चन्दन लगवाया। भंडारे के आयोजन के दौरान प्रधानाचार्य महोदय ने स्वयं सभी के साथ मिल कर भोजन ग्रहण किया। कनिष्ठ विद्यार्थियों की मुस्कुराहटो व बड़ो के आशीर्वाद के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। विद्यालय की इस परंपरा से उसकी सांस्कृतिक गतिविधियों पे ज़ोर देने की नीति स्पष्ट रूप से दृश्य रही, जो की सराहनीय है।

-Suyash Shukla 12-B

गर्मी के कारण आयोजित खेल शिविर (समर कैंप)

ला मार्टिनियर कॉलेज लखनऊ, उत्तर प्रदेश राज्य में स्तिथ है| उत्तर प्रदेश एक ऐसा राज्य है जहा मई, जून व जुलाई के महीनो में भीषण गर्मी का प्रकोप रहता है | इस गर्मी की वजह से, इन महीनो में, सारी अनावश्यक सेवाएं रोक दी जाती है | इसी कारण हेतु हमारे विद्यालय में १० मई को गर्मी की छुट्टियां का एलान हो गया था|

परन्तु मानव शरीर एक ऐसा शरीर है जिसे स्वस्थ में रखने के लिए थोड़ा बहुत शारीरिक व्यायाम अनिवार्य है | इसी विषय को ध्यान में रखते हुए, ला मार्टिनियर कॉलेज ने अनेक खेल शिविर आयोजित करवाएं| यह शिविर ११ मई को, बड़े उत्साह के साथ, आरम्भ किए गए| विद्यालय में १२ अलग अलग खेलो के शिविर लगे थे, जिनमे से क्रिकेट, फुटबॉल और तैराकी (स्विमिंग) में सबसे अधिक छात्र रूचि देखने को मिली|

विद्यालय में निम्नलिखित खेलो के शिविर लगे -

१. ए.बी.र.स.म
२. ऐरोमोडेल्लिंग
३. एयर राइफल शूटिंग
४. तीरंदाजी
५. बैडमिंटन
६. बास्केटबॉल
७. क्रिकेट
८. घुड़सवारी
९. फुटबॉल
१०. टेनिस
११. स्केटिंग
१२. तैराकी

इन शिविरों के प्रशिक्षक भी हमारे विद्यालय के अनेक विशेष खेल अध्यापक, जिनको उनके खेलो में अनेक सालो का अनुभव है, वो ही थे| छात्रों और अध्यापको की लगन से यह खेल शिविर बहुमूल्य रूप से सफल हुए|

छात्रों ने खेल शिविरों के बारे में यह कहा:

"मैंने फुटबॉल के शिविर में भाग लिया, और इस पूरे कार्यकाल में मैंने फूटबाल खेलना तो सीखा ही, साथ ही साथ अपने जीवन को अनुशाषित रूप से जिया।"
- निखिल शर्मा (११ - सी)

"मैंने क्रिकेट के शिविर में भाग लिया और यह समझा की हमारे जीवन में किताबी ज्ञान के साथ साथ शारीरिक बल व् म्हणत भी बहुत आवश्यक है।"
- अभिनव माहेश्वरी (११ - डी)

इन खेल शिविरों ने न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी विद्यालय के छात्रों को जीवन की हर दुविधा झेलने के योग्य बनाया, तथा खेलो से जुड़ी भारत की प्राचीन संस्कृति का भी हिस्सा बनाया|

-Pushkal Sharma 11-B

एन.सी.सी शिविर

ला मार्टिनियर कॉलेज ने 12 मई से 30 मई 2023 तक राष्ट्रीय कैडेट कोर (रा. कै. को.) शिविरों का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य कैडेटों को उनके नेतृत्व कौशल, शारीरिक उपयुक्तता और सामूहिक कार्य क्षमताओं को बढ़ाने का अवसर प्रदान करना था। शिविर में ला मार्टिनियर कॉलेज के छात्रों के साथ-साथ अन्य संबद्ध स्कूलों और कॉलेजों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

एन.सी.सी. नेवल विंग शिविर (12 मई से 21 मई 2023):

एनसीसी नेवल विंग के कैडेट अपने संयुक्त प्रशिक्षण समूहों को शुरू करने के लिए निर्दिष्ट तिथि पर स्पेंस हॉल में इकट्ठे हुए। इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के कैडेटों के एक साथ आने से हॉल उत्साह और प्रत्याशा से गुंजायमान हो गया। सभा ने कैडेटों के लिए अपने साथी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों से मिलने और आगामी प्रशिक्षण गतिविधियों के बारे में निर्देश प्राप्त करने के अवसर के रूप में कार्य किया।

उनके प्रशिक्षण के भाग के रूप में, नौसेना विंग के कैडेटों को हथियार प्रशिक्षण की बुनियादी बातों से परिचित कराया गया। अनुभवी प्रशिक्षकों ने विभिन्न आग्नेयास्त्रों से संबंधित उचित संचालन तकनीकों और सुरक्षा सावधानियों का प्रदर्शन किया।

कैडेटों को हथियारों को संभालने में अनुशासन, ध्यान और सटीकता के महत्व को सिखाया गया। उन्होंने आवश्यक कौशल जैसे कि आग्नेयास्त्रों को लोड करना और उतारना, लक्ष्य बनाना और उचित रुख बनाए रखना सीखा। यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल पर जोर दिया गया कि कैडेट हथियारों को संभालने से जुड़ी जिम्मेदारियों को समझें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जल-आधारित गतिविधियों पर एक

MART PULSE

PRIZE DAY

After 2 years of the devastating pandemic, the academic session 2022-23 was one filled with colours of joy. The school finally resumed, to be in its previous glory, with uninterrupted and regular academic activity being restored. Finally, on the 29th of May, the entire school witnessed the Prize Day, an event that celebrated the success of all those who had emerged meritorious in various disciplines and activities of the school.

Prof.Alok Dhawan, Director, Centre of Bio-Medical Research, Lucknow and a former Martinian was invited as the Chief Guest for the event along with his wife Mrs. Neeta Dhawan. The event commenced with the arrival of the Chief Guest in the College's ceremonial car followed by the parade's salute in acknowledgement of his arrival. A well turned out march past of cadets along with equestrian riders, bearing College flags, took over with tunefully orchestrated Brass and Bagpiper bands playing their instruments in the background. While members of the staff, clad in their ceremonial academic gowns, were seated on both sides of the stage, a group of teachers from both Junior and Senior campuses were arranging the Prize Winners into lines, according to the order of events.

The Principal initiated the event by welcoming everyone in the gathering and introducing the Chief Guest to the guests by elucidating his professional accomplishments. The College Annual Report was then presented to all present by the College Principal. The College Choirs enchanted everyone by their melodious voice with the Junior Choir singing "Somewhere Over the Rainbow" and the Senior Choir rendering the popular "Count on Me". Their mesmerising pieces won over the crowd and rejuvenated everyone.

Finally, the prize distribution began with the Junior School students' efforts being awarded. Mrs. Neeta Dhawan presented the awards to the tiniest of children, several of whom had had the honour of receiving accolades for the first time in their life. It was absolutely delightful to watch the smallest of children studying in the Preparatory Department move up the success stairs of the stage to receive a congratulatory token. The Junior School students are undeniably the school's rising stars.

Upon the conclusion of their prize distribution, an audio-visual presentation "The Year That Was" was played on 2 big screens installed on both sides of the East Terrace, prepared by the school's industrious media team, the multimedia presentation recounted all academic and co-curricular activities during the previous academic year. The voice over of the presentation was done by the College Principal.

Then came the most highly awaited part of the evening, the Senior Campus' prize distribution. Beginning with class-wise academic awards, the longest of queues were meticulously arranged in sync with the long-drawn Senior School Prize List. From classes 6 to 12, a large number of achievers, many of them bagging more than just a single award, proudly made their way up the stairs of the East terrace to receive their awards. The Chief Guest was called upon to distribute the prizes. Each prize winner had an opportunity for a photograph with the Chief Guest handing him the award. The class-wise academic prizes continued into the special prize list, another Herculean list of achievements in a vast number of areas ranging from academic excellence to elocutions, debating, quizzing, football, hockey, swimming and even equestrian. The multiplicity of avenues wherein the College awards the most talented students is what makes up the essence of the Martinian ethos:- the all-round holistic development of its students. A plethora of medals, trophies, cups and certificates were placed upon a huge table near the Chief Guest and we saw numerous students rejoining the line many times to receive the rewards for their unparalleled efforts in aiming for glory.

Both individual and group activities and both inter-house and inter-school activities were taken into account to structure the Prize List. Towards the end of the programme, some members of staff were also honoured for having served the institution for 20 and 25 years. The Prize List finally concluded with the announcement of Martin House lifting up the Inter-House Challenge Cup popularity called the Cock House Cup leading to a wave of enthusiasm sweeping through the Martin House students.

To draw the final curtains, the Principal invited the Chief Guest for his closing remarks. Dr. Dhawan spoke extensively about the essentiality of science in society and about how it transformed his life in particular. The most significant message he delivered was that one can effectively earn wealth from knowledge but not necessarily the other way round and one must be an avid pursuer of knowledge and not material wealth.

The College Captain was called upon for a formal vote of thanks. The 4 hour programme finally concluded around 10:30P.M.with the College Song followed by the National Anthem. The event had inevitably left the entire gathering hungry and fatigued but had undeniably felicitated the great efforts put in by the winners. Irrespective of how small or big the prize is, each student who wins is gratified when his dedication pays off with the laurels he receives.

-Samast Bahri 12-D

SPELLING BEE

Every year, an annual spelling bee competition is held for students studying in the Middle School. The competition aims to improve their linguistic skills and to help them gain a better understanding of the English language.

The Spelling Bee Competition for the year 2023-24 was organised in the Middle School Library on two different dates for 2 different categories bifurcated on the basis of their standards. While the class 6 met on the 2nd of May, the 7th and 8th competed on the 6th of May.

Before competing on the big stage, Middle School teachers organised a preliminary round to select the eligible candidates through a written test from all the participating classes.

The main event was held in two rounds, the first one was called the 'Spell Quest', an event where the quiz master called out words and asked the participants to spell them correctly to test their prowess over the subject. It was a fair and tough competition and only a few made it to the next and the final decisive round called the 'Jumble Spell'. This was where the hand-picked finalists were given jumbled letters and they had to use their power of vocabulary to arrange them in such an order to make a meaningful word out of them.

The final round had the participants on their toes and it all came down to the last minute when the score sheet was being tallied to determine the winner. Defeating all the other contestants, Aarav Mathpal of 6A stood first in his category while Shivaan Ratogi of 7B and Anant Singh of 8C were declared the champions in their respective categories.

This would not have been possible without the guidance Mrs Rana who helped in the organisation of such an event. The event acts as a crucial step on the ladder to help these young minds to develop into the prodigies of tomorrow while also helping them gain better command over the English Language.

-Archit Mittal 12-F

CLASS 6:-THE JUNIORMOST BATCH MOVES IN

How do you feel after having stepped into the Senior School Campus from the Junior School Campus?

On my first day at the Constantia campus, I was both nervous and excited. The campus is mesmerizing. It feels as if I am in an altogether different world. I am enjoying the campus with friendly seniors and caring teachers.

-Atharva Chitransh Singh
6-C

The magnificent building Constantia is the heartbeat of the College. For me coming to the senior campus was a dream coming true. It is a matter of pride for me to be a part of the school.

-Akhand Kumar Rastogi
6-A

The Senior campus is a lot different from the Junior campus. There are a lot more opportunities to explore my interests. The first day was a rollercoaster of emotions where I felt excited, nervous, overwhelmed and curious at the same time.

-Ayaan Kumar
6-D

I was excited about the Constantia campus. As I entered, I was in awe of the campus. I want to carry the legacy of the College ahead. I felt truly Martinian in the Campus.

-Aastik Yadav
6-D